## महत्वपूर्ण एवं खास

### नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में ग्रामीण को अगवा कर की हत्या

**नगरी (आरएनएस)।** नगरी ब्लॉक के माओवाद प्रभावित खल्लारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम आमझर में नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में एक ग्रामीण को अगवा करने के बाद उसकी हत्या कर दी । सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल रवाना हो गई है । जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार रात खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम आमझर की है। रात में 10 से 12 की संख्या में नक्सली गांव पहुचे और यहां के रहने वाले युवक सीताराम नेताम को उठा कर अपने साथ ले गये। आज सुबह उसका शव ग्रामीणों ने देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। एएसपी मनीषा ठाकुर ने बताया कि परिजनों ने सूचना दी कि रात 9 बजे कुछ वर्दीधारी सीताराम नेताम को घर से उठा ले गए थे जिसकी लाश मुख्य मार्ग में मिली। एसपी, एसडीओपी सहित पुलिस बल की टीम घटना स्थल के लिए नगरी से रवाना हो गई हैं।

### चंदा मांगने को लेकर हुई किन्नरों के बीच मारपीट, मामला दर्ज

**रायपुर (आरएनएस)।** चंदा मांगने की बात पर किन्नरों के बीच मारपीट हाने की रिपोर्ट टिकरापारा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार रिखियापारा गुरुनानक चौक रायपुर निवासी ज्योतिनायक 53 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थिया रायपुर छत्तीसगढ मंगलामुखी समाज की अध्यक्ष है। काजल ट्रांसजेन्डर अपने ग्रुप के साथ हमारे क्षेत्र के यज मानो से चंदा वसुली करती है। इस संबंध में उसे समाज द्वारा मना किया गया था। 15 जून को प्रार्थिया सुबह अपने किन्नर टोली के हाजी नगीना नायक,नीशा श्रीवास,मधु किन्नर व अन्य के साथ बधाई मांगने अपने जजमानों के घर जा रही थी। तभी तरुण बाजार के सामने संतोषीनगर पहुंची थी उसी समय काजल ट्रांसजेन्डर,मुस्कान ट्रांसजेन्डर अपने साथियों के साथ आई और पीड़िता व उसके साथियों के साथ गाली-गलौच कर मारपीट किया। इससे नीशा,सुनीता व बबीता को चोट लगी है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

### बैंक का लोन नही पटाने के चलते युवक ने की थी खुदकुशी, जांच में मामला आया सामने

**रायपुर (आरएनएस)।** एक युवक के नाम पर बैंक से लोन लेने के बाद नही पटाया। जिसके चलते परेशान होकर युवक ने आत्महत्या कर लिया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद दो लोगों के खिलाफ धारा 306,34 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रेमनगर गुढ़ियारी निवासी डागेश्वर पाल 27 वर्ष पिता बबला पाल ने अपने नाम से एसबीआई बैंक गुढ़ियारी शाखा से अशोक मेश्राम 31 वर्ष पिता स्व.सुरेश मेश्राम एवं राहुल गेडाम 23 वर्ष पिता कृष्ण कुमार गेडाम के कहने पर लोन लिया था। आरोपियों द्वारा प्रार्थी की लोन की रकम हड़पकर उसे नही पटाने की वजह से परेशान होकर 18 अगस्त 2020 को आत्महत्या कर लिया। मामले की शिकायत थाने में दर्ज करायी गई थी जिसके बाद पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी हुई थी।

### धान खरीदी केन्द्र के चौकीदार की हत्या , जांच में जुटी पुलिस

**दुर्ग (आरएनएस)।** दुर्ग जिले के नंदौरी धान संग्रहण केन्द्र में तैनात सुरक्षा कर्मी की देर रात हत्या कर अज्ञात आरोपी कुछ नगदी लेकर भी फरार हो गए। भिलाई-3 थाना क्षेत्र के नंदौरी गांव की इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक सुरक्षा कर्मी हरीशंकर वर्मा ( 55 वर्ष) नंदौरी का ही रहने वाला था। बीती रात नंदौरी गांव के बाहर बने धान संग्रहण केन्द्र में तैनात सुरक्षाकर्मी की हत्या हो गई। हत्या करने के बाद अज्ञात आरोपी धान संग्रहण केन्द्र के आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी नगदी को निकालकर फरार होने में कामियाब हो गए है।

# कोरबा और जांजगीर-चांपा जिले को आज मिलेगी 233.96 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

**» मुख्यमंत्री आज करेंगे वर्चुअल लोकार्पण एवं भूमिपूजन**

रायपुर, 17 जून (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 18 जून को कोरबा और जांजगीर-चांपा जिले को 233 करोड़ 96 लाख रूपए की लागत के 271 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री अपने रायपुर निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कोरबा जिले में लगभग 111 करोड़ रूपए की लागत के 127 कार्यों का और जांजगीर-चांपा जिले में 122 करोड़ 96 लाख रूपए की लागत के 144 विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे।

श्री बघेल इन कार्यों में कोरबा जिले में 36 करोड़ रूपए के 28 कार्यों का लोकार्पण और 74 करोड़ 69 लाख रूपए की लागत के 99 कार्यों का भूमिपूजन तथा जांजगीर-चांपा जिले में 46 करोड़ 75 लाख रूपये के 41 कार्यों का लोकार्पण और 76 करोड़ 21 लाख रूपये के 103 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री कोरबा जिले में जिन कार्यों का लोकार्पण करेंगे उनमें 5 करोड़ 80 लाख रूपए की लागत से नेवसा-जोरहाडबरी मार्ग पर लीलागर नदी पर नवनिर्मित पुल, नगर निगम कोरबा में 5 करोड़ 96 लाख रूपए की लागत के सड़क नवीनीकरण के 5 कार्यों, नगर पालिका दीपका में 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित आश्रय स्थल, विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा के हाथी प्रभावित 8 ग्रामों में एक करोड़ 10 लाख रूपए की लागत से 3 किलोवॉट क्षमता के सोलर पावर प्लांट तथा स्ट्रीट लाईट, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 11 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से निर्मित 5 ग्रामीण सड़कों, 6 करोड़ 88 लाख रूपए की लागत से जिला चिकित्सालय कोरबा सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर, अजगरबहार, कोरबा, कोरबी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला, पताड़ी, पोड़ी-उपरोड़ा में बनाए गए स्टॉफक्वार्टर, 25 लाख रूपए की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन छुईखुर्द तथा 26 करोड़ 67 लाख रूपए की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में निर्मित एनआरसी भवन, 21 लाख 97 हजार रूपए की लागत से निर्मित परिक्षेत्र कार्यालय भवन लेमरू का लोकार्पण करेंगे।

मुख्यमंत्री कोरबा में जिन कार्यों का भूमिपूजन करेंगे उनमें 44 करोड़ 75 लाख रूपए की लागत से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 141 रेट्रोफिटिंग, एकल ग्राम सोलर आधारित नलजल योजनाएं, 7 करोड़ 26 लाख रूपए की लागत से फ्लोराइड आधिक्य से प्रभावित बसाहटों में 22 फ्लोराइड निवारक संयंत्र की स्थापना के कार्यों, 11 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 98 किलोमीटर लम्बी 20 सड़कों का नवीनीकरण कार्य, 7 करोड़ 26 लाख रूपए की लागत से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामों में पुलिया, सीसी रोड़, स्कूल तक पहुंच मार्ग, बाजार शेड, सार्वजनिक मंच, आंगनबाड़ी भवन, प्रतिक्षालय निर्माण के विभिन्न कार्य, एक करोड़ 91 लाख रूपए की लागत से पाली में बनने वाला नवीन पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास, एक करोड़ 11 लाख रूपए की लागत से सलिहापारा जलाशय योजना के सीमेंट कांक्रीट चैनल निर्माण का कार्य शामिल है।

## स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने पर्वतारोही नैना धाकड़ का हौसला बढ़ाया

**रायपुर , (आरएनएस)।** पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने आज बस्तर की पर्वतारोही सुश्री नैना धाकड़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा की। उन्होंने सुश्री धाकड़ को माउंट एवरेस्ट फत्तह करने की बधाई दी और हौसला अफजाई की। सिंहदेव ने उनके परिजनों से भी बात कर बेटी की इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस कठिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए सुश्री धाकड़ की मेहनत, लगन और समर्पण की तारीफ की। सिंहदेव ने कहा कि अथक परिश्रम और साहस से हासिल नैना की यह उपलब्धि राज्य और देश को गौरवान्वित करने के साथ ही इंसानी जज्बे की भी मिसाल है। स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के अपने अनुभव साझा करते हुए सुश्री नैना धाकड़ ने बताया कि करीब 450 पर्वतारोहियों के साथ चढ़ाई के दौरान उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और मुश्किल हालातों में भी अपने जुनून को बनाए रखा। उन्होंने माउंट एवरेस्ट के शिखर पर राष्ट्रध्वज, स्वामी विवेकानंद, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और छत्तीसगढ़ शासन सहित छह झंडे फहराए और 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा...' गीत गाया। उन्होंने बताया कि वह 20 वर्ष की उम्र से पर्वतारोहण की ट्रेनिंग कर रही है और पिछले दस वर्षों से पर्वतारोहण में जुटी हुई है। नैना ने कड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए अथक परिश्रम, साहस और लगन से अब तक 16-17 पर्वतों की सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

## रोजगार गारंटी योजना से बैगा आदिवासियों तक पहुंचा विकास का रास्ता

**» लॉकडाउन में रोजगार और आवागमन की समस्या का हुआ समाधान**

**रायपुर (आरएनएस)।** कहते हैं सड़कों का निर्माण विकास के पहिया को तेजी से आगे बढ़ाता है जो आसपास के क्षेत्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता। विकास की मूलभूत सुविधाओं के लिए सबसे जरूरी शर्त है सतत आवागमन की सुविधा। मैदानी क्षेत्रों में तो या सुविधा आसानी से उपलब्ध होती है लेकिन जब बात होती है जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्रों की तो सड़कों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोग आवागमन के लिए जंगलों का सहारा लेते हुए पथरीले एवं टेढ़े-मेढ़े गड्ढों के साथ जोखिम से भरे पहाड़ों के बीच से आना-जाना करते हैं, जो उनके लिए बहुत कष्टप्रद होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाले बैगा बहुल गांव भेलकी व अधचरा के निवासियों के लिए भी पहाड़ों के बीच से घाट कटिंग कर सड़क बनाने की मांग अत्यंत महत्वपूर्ण थी, जिसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ने पूरा किया है। घाट कटिंग हो जाने से पहाड़ों के बीच बैगा आदिवासियों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होने के साथ आसपास के लगभग 400 से अधिक की आबादी को सीधे लाभ होगा।

बात हो रही है कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल ग्राम भेलकी और अधचरा की जो कि विकासखंड पंडरिया का वनांचल गांव है, यहां विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी निवासरत है। वैश्विक महामारी कोरोना के लॉकडाउन में घाट कटिंग कार्य के साथ भेलकी और अधचरा के ग्रामीणों को रोजगार का अवसर मिला और साथ में साकार हुआ बरसों पुराना सपना। वित्तीय वर्ष 2020-21 में यहां कार्य 18 लाख 17 हजार रुपए की लागत से स्वीकृत हुआ। इस कार्य में दो गांव के 140 परिवारों को बड़ी मात्रा में रोजगार का अवसर मिला।

## चरित्र शंका पर पति ने ही की थी पत्नी की हत्या, गुमराह करने बनाई लूट की कहानी

**» पुलिस अधिकारियों ने किया खुलासा**

**जांजगीर-चांपा (आरएनएस)।** पंतोरा चौकी क्षेत्र में सोमवार की रात हुई दीप्ती सोनी की हत्या के मामले में पुलिस ने दीप्ती के पति को गिरफ्तार किया है। पति ने ही चरित्र शंका पर अपनी पत्नी को अपने घर में काम करने वाले नौकर और उसकी पत्नी के साथ मिलकर हत्या की थी। पुलिस ने मामलें में पति देवेन्द्र, नौकर और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

ज्ञात हो कि सोमवार की देर रात पंतोरा-कोरबा रोड में फॉरेस्ट बैरियर के पास रात 10.30 बजे खिसोरा के आगे छाता चौराहा के पास कार में 28 वर्षिय महिला दीप्ती सोनी की लाश मिली थी। मामलें में दीप्ती के पति देवेंद्र ने कहा थी कि चार लुटेरों ने उससे लूटपाट कर उसकी पत्नी की हत्या कर दी थी। मामलें की जांच कर रही पुलिस को देवेन्द्र के बयान पर शक था वहीं मृतका के परिजनों ने भी दीप्ती की हत्या में पति देवेन्द्र का हाथ होने का आरोप लगाया था। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में देवेंद्र अपने बयान बार-बार बदल रहा था। इससे पुलिस का शक उसी पर गहरा रहा था। पुलिस ने देवेन्द्र को हिरासत में लेकर पुछताछ की कर रही थी। पहले दिन उसकी पत्नी के अंतिम संस्कार के लिए उसे छोड़ दिया गया तथा बुधवार को उसे फिर से बयान लेने के लिए बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आ रहा था, उसे लेने के लिए जिले की टीम बिलासपुर गई थी जिसके बाद देर शाम को वह अपनी गाड़ी से थाना पहुंचा जहां उससे दुबारा कड़ाई से पूछताछ की गई जिससे वह टूट गया और उसने अपने घर काम करने वाले प्रदीप सोनी और उसकी पत्नी के साथ मिलकर पत्नी दीप्ति की हत्या करना स्वीकार कर लिया। देवेन्द्र ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी दीप्ती का अन्य व्यक्ति के साथ अफेयर चल रहा था जिसको लेकर दोनों के बीच हर रोज विवाद होता रहता था। देवेन्द्र के अनुसार रोज रोज के विवाद और पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर उसने पत्नी को मारने का प्लान बनाया और अपने नौकर और उसकी पत्नी के साथ मिलकर हत्या कर दी। पुलिस को दिये गए बयाने के अनुसार देवेंद्र ने अपनी पत्नी को मारने के लिए घर में काम करने वाले प्रदीप सोनी और उसकी पत्नी को भरोसे में लिया। हत्या करने से पहले प्लानिंग की और रेकी करने के लिए देवेंद्र ओर प्रदीप सोनी ने तीन दिन पहले ही घटना स्थल पहुंच कर योजना तैयार की थी। वारदात की रात दीप्ति को लेकर देवेंद्र कोरबा से अपनी कार में निकला ओर पंतोरा चौकी के ग्राम खिसोरा के फारेस्ट बेरियर के पास शौच करने के बहाने कार रोका। जहां पहले से ही प्रदीप अपनी पत्नी के साथ दोनों का इंतजार कर रहा था। यहां तीनों ने मिलकर दीप्ति की हत्या की और उसके बाद पूरी घटना को लूट दिखाने के लिए कार में भी तोड़फोड़ कर देवेंद्र के लैपटॉप, दो मोबाइल लेकर प्रदीप और उसकी पत्नी शालू फरार हो गए। हो गए थे। फिलहाल पुलिस ने मामले में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज कर रिमांड में भेज दिया है।

## पूर्व विवाद को लेकर होटल में खाना खा रहे युवक पर प्राण घातक हमला, आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

**रायपुर (आरएनएस)।** पूर्व विवाद को लेकर होटल में एक युवक के साथ मारपीट कर हत्या करने की नियत से पत्थर से सिर पर मारकर चोट पहुंचाने की रिपोर्ट उरला थाने में दर्ज करायी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार 15 जून को रात 10.30 बजे सोनू द ढाबा मेन रोड उरला में पूर्व विवाद को लेकर रोहित प्रसाद व भुरवा साहू एवं उसके साथियों ने अमर सिंह निषाद पिता रतिराम निषाद उम्र 24 साल निवासी कनेरा उरला को होटल मे खाना खाने के दौरान गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का एवं पत्थर से उसके सिर पर मारकर प्राण घातक चोट पहुचाए। जिसके चलते अमर निषाद को गंभीर चोट लगी है। घटना की शिकायत 17 जून को थाने में दर्ज करायी गई है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307, 34, 294, 323, 506 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

## राज्यपाल ने सिकल सेल विकृति जागृति अभियान के पोस्टर का किया विमोचन

**रायपुर (आरएनएस)।** राज्यपाल सु अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में जगदीश पटेल के नेतृत्व में वेनमार्ट फाउंडेशन के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सिकल सेल विकृति जागृति अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। राज्यपाल ने कहा कि आप लोगों द्वारा जो सिकल सेल विकृति जागृति अभियान चलाया जा रहा है, वह सराहनीय है। राज्यपाल ने सिकल सेल विकृति जागृति अभियान के किए जा रहे प्रयासों के लिए फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर भी इस हेतु जागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने कहा कि सिकलसेल से ग्रसित व्यक्ति की पहचान कैसे हो, जांच कहां कराएं आदि की जानकारी के लिए हेल्पलाईन नंबर जारी किया जाना चाहिए, जिससे कि समस्या ग्रसित व्यक्ति या परिवार हेल्पलाईन नंबर के माध्यम से सही समय पर उचित मार्गदर्शन व सलाह ले सके।

वेनमार्ट फाउंडेशन ने प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि सिकलसेल एक अनुवांशिक रोग है। यह माता पिता के जिन्स से संतान को मिलता है। यह संक्रामक रोग नहीं है। खून की कमी होना, जल्दी थक जाना, सांस फूलना, चिड़चिड़ापन, बार-बार बुखार आना आदि इसके लक्षण हैं। उन्होंने राज्यपाल को सिकलसेल एनीमिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि 19 जून को हर वर्ष विश्व सिकलसेल एनीमिया दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विजय शर्मा, कुश पटेल एवं सूरज शर्मा उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं सीनियर एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जन जातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

## स्वास्थ्य विभाग ने जलजनित रोगों से बचाव के लिए स्वच्छ पेयजल आपूर्ति और पेयजल की स्वच्छता की लगातार मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

**» स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने सभी कलेक्टरों को जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश**

**रायपुर (आरएनएस)।** राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग ने बरसात में जलजनित रोगों से बचाव के लिए स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति और पेयजल की स्वच्छता की लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। विभागीय प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने सभी जिलों के कलेक्टर को परिपत्र जारी कर इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए नगरीय निकायों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय के साथ काम करने कहा है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा गया है कि बरसात के मौसम में उल्टी, दस्त, आंत्रशोध, टॉयफॉइड और पीलिया जैसे जलजनित रोगों के बढ़ने की संभावना रहती है। इनसे बचाव के लिए लोगों को स्वच्छ पेयजल प्रदान करना और पेयजल की स्वच्छता की लगातार मॉनिटरिंग बहुत जरूरी है। विभाग ने तत्काल शहरी क्षेत्रों में पाइपलाइनों की मरम्मत, पेयजल के लिए उपयोग होने वाले ट्यूबवेलों में क्लोरीन डालने, पेयजल में रेसिडुअल क्लोरीन और कोलीफार्म बैक्टीरिया का पता लगाने के लिए टेस्टिंग तथा इन सभी कार्यों की कड़ाई से नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। परिपत्र में कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि नगरीय निकायों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से सभी शहरी क्षेत्रों में पेयजल पाइपलाइन का तत्काल निरीक्षण कराएं। उन्हें यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि पाइपलाइन नालियों के भीतर और टूटी-फूटी नहीं रहें। चालू जून माह के अंत तक यह काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। पेयजल के लिए उपयोग होने वाले सभी ट्यूबवेलों में क्लोरीन डालने का काम भी इस महीने के अंत तक पूर्ण करने कहा गया है। कोलीफार्म बैक्टीरिया की मौजूदगी वाला जल पीने योग्य नहीं रहता है। इसलिए पेयजल की नियमित जांच जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स, स्टोरेज टंकियों और घरों से सैंपल लेकर पानी की गुणवत्ता की लगातार जांच करने कहा है। किसी सैंपल में कोलीफार्म बैक्टीरिया मिलने पर उस जलस्त्रोत से जलप्रदाय तत्काल रोकने और बैक्टीरिया के अनुपस्थित होने पर ही दोबारा जलप्रदाय शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इस तरह के प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर या किसी अन्य तरह से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने कहा गया है। विभाग ने कोलीफार्म बैक्टीरिया की जांच के लिए लिए जाने वाले सैंपलों में रेसिडुअल क्लोरीन की भी नियमित जांच के निर्देश दिए हैं।